2021

HINDI — HONOURS

Seventh Paper

(Hindi Kahani Tatha Upanyas)

Full Marks : 100

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

खण्ड-क

(अंक : 50)

1. किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 8×3

(क) जिस दिन अलग-अलग चूल्हे जले, वह फूट-फूट कर रोया। आज से भाई-भाई शत्रु हो जाएंगे। एक रोएगा तो दूसरा हंसेगा। एक के घर मातम होगा, तो दूसरे के घर गुलगुले पकेंगे। प्रेम का बंधन, खून का बंधन, दूध का बंधन आज टूटा जाता है।

(ख) उन्हें न खाने की फिक्र, न मेरी फिक्र, मेरी तो खैर कुछ नहीं, पर अपने तन का ध्यान तो रखना चाहिए। ऐसी ही बेपरवाही से तो वह बच्चा चला गया। उसका मन कितना भी इधर-उधर डोले, पर जब अकेली होती है तब भटक-भटक कर वह मन तो अंत में उसी बच्चे के अभाव पर आ पहुँचता है।

(ग) मैं ईश्वर को नहीं मानता, मैं पाप को नहीं मानता, मैं दया को नहीं समझ सकता, मैं उस लोक में विश्वास नहीं करता। पर मुझे अपने हृदय के एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो चली है। तुम न जाने कैसे एक बहकी हुई तारिका के समान मेरे शून्य में उदित हो गई हो। आलोक की एक कोमल रेखा इस निविड़ तम में मुस्कराने लगी।

(घ) समय कुछ सरका था कि बीच मे धुरी-सा गड़ा बेटे की ललक का नुकीला बिंदु उनके मन को अपने में फिर उलझा बैठा और एक बार फिर उनको अपनी गृहस्थी अधूरी लगने लगी, बिना पतवार की नाव सी। बिना पुत्र की जननी बने वे माँ के गौरवान्वित पद को स्वीकार नहीं कर पा रही थीं।

(ङ) अचानक उसे मालूम हुआ कि बहुत देर से उसे प्यास नहीं लगी है। वह मतवाले की तरह उठी और गगरे से लोटा भर पानी लेकर गट-गट चढ़ा गई। खाली पानी उसके कलेजे में लग गया और वह हाय राम कहकर वहीं जमीन पर लेट गई। आधे घंटे तक वहीं पड़े रहने पर उसके जी में जी आया।

2. किसी ***एक*** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए: 14×1

(क) 'परिंदे' कहानी का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) ओम प्रकाश बाल्मीकि की कहानी 'सलाम' दलित समाज के यथार्थ को बेबाकी से उद्घाटित करती है — इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'खुदा की खुदा से लड़ाई' कहानी के माध्यम से यशपाल किस यथार्थ को उद्घाटित करना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं ***दो*** लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 6×2

(क) चंपा के मानसिक अंतर्द्वन्द्व को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'पचू' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) गजाधर बाबू के दोबारा काम पर लौटने के कारणों पर प्रकाश डालिए।

(घ) शाहनी की पीड़ा को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

(अंक : 50)

4. निम्नलिखित में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 8×3

(क) आप सोचते होंगे कि भोग-विलास की लालसा से कुमार्ग पर आई हूँ। वास्तव में ऐसा नहीं है। मैं ऐसी अंधी नहीं कि भले-बुरे की पहचान न कर सकूँ। मैं जानती हूँ कि मैने अत्यंत निकृष्ट कार्य किया है लेकिन मैं विवश थी, इसके सिवा मेरे लिए और कोई रास्ता नहीं था।

(ख) तुर्क आए थे पर वे अपने ही पड़ोस वाले गाँव से आए थे। तुर्कों के जेहन में भी यही था कि अपने पुराने दुश्मन सिक्खों पर हमला बोल रहे थे और सिक्खों के जेहन में भी वे दो सौ साल पहले के तुर्क थे, जिनके साथ खालसा लोहा लिया करता था।

(ग) आजकल धर्म तो धूर्तों का अड्डा बना हुआ है। इस निर्मल सागर में एक से एक मगरमच्छ पड़े हुए हैं। भोले-भाले भक्तों को निगल जाना उनका काम है। लंबी-लंबी जटाऐं, लंबे-लंबे तिलक छापे और लंबी लंबी दाढ़ियाँ देखकर लोग धोखे में आ जाते हैं पर वह सब के सब महा पाखण्डी, धर्म के उज्ज्वल नाम को कलंकित करने वाले, धर्म के नाम पर टका कमाने वाले, भोग-विलास करने वाले पापी हैं।

(घ) वह लक्ष्मी के ध्यान में डूब जाता है। उसने एक दिन लक्ष्मी को अपने पास बुलाना चाहा था तो उसने उसको चार घंटे तक सद्गुरु वचनामृत का उपदेश सुना कर अंत में कहा था – आप अपने चित्त को विचलित मत कीजिए। ... आप मेरे गुरु बेटा हैं, मैं आपकी गुरु माई।

(ङ) नत्थू की पत्नी उठी और अनायास ही झाड़ू लेकर कोठरी बुहारने लगी। उसे स्वयं मालूम नहीं था कि वह ऐसा क्यों कर रही है। जैसे झाड़ू से वह किसी छाया को कोठरी में से बुहार कर बाहर कर देना चाहती हो।

5. किसी ***एक*** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए: 14×1

(क) 'सेवासदन' उपन्यास में वर्णित समस्याओं पर विचार कीजिए।

(ख) आंचलिक उपन्यास के अर्थ को स्पष्ट करते हुए बताइए कि 'मैला आंचल' एक आंचलिक उपन्यास है या नहीं।

(ग) 'तमस' देश-विभाजन पर लिखा गया एक यथार्थ उपन्यास है — कथन पर विचार कीजिए।

6. किन्हीं दो लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 6×2

(क) 'तमस' उपन्यास के शीर्षक पर विचार कीजिए।

(ख) मुराद अली का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) बावनदास के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'सेवासदन' के शिल्प पर विचार कीजिए।